



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 116]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 10, 1992/फाल्गुन 20, 1913

No. 116]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 10, 1992/PHALGUNA 20, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1992

भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी 1 अधिकारी
(सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन
नियम, 1992

सा.का.नि. 324 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन
बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की
धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय
जीवन बीमा निगम श्रेणी 1 अधिकारी (सेवा के निबन्धनों
और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन
करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का
संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी 1 अधिकारी
(सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) (संशोधन)
नियम, 1992 है।

(2) ये 1 अगस्त, 1987 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी 1 अधिकारी
(सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985
के नियम 7-क के नीचे सारणी में मद (ii) के पश्चात्
निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(iii) माध्य समुद्र तल से ऊपर 750 मूल वेतन का 5
मीटर से अल्पतम की ऊंचाई पर प्रतिशत की दर से
स्थित ऐसे स्थानों पर तैनात जो किन्तु अधिक से
ऐसी पहाड़ियों से घिरे हुए हैं या अधिक 150 रु.
उन तक उन पहाड़ियों के माध्यम प्रति मास।”
से ही पहुँचा जा सकता है, जिन
की ऊंचाई माध्य समुद्र तल से
ऊपर 1,000 मीटर और अधिक
है।

[फा.सं. 2(22)/बीमा-III/89 (iii)]

सी. एस. राव, संयुक्त सचिव

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने 1 अगस्त, 1987 से भारतीय जीवन बीमा निगम के श्रेणी 1 के अधिकारियों की सेवा के निबंधनों और शर्तों को पुनरीक्षित करने की मंजूरी दे दी है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना में भूतलक्षी प्रभाव देने से भारतीय जीवन बीमा निगम के कसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पण :— मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 794(अ), तारीख 11-10-1985 के अधीन प्रकाशित हुए थे। तत्पश्चात् उनमें अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 960(अ), तारीख 7-12-1987, सा.का.नि. 493(अ), तारीख 22-4-1988, सा.का.नि. 711(अ), तारीख 25-7-1989, और सा.का.नि. 816(अ), तारीख 1-10-1990 द्वारा संशोधन किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th March, 1992

Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) (Amendment) Rules, 1992

G.S.R. 324(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India, Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India, Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1987.

2. In the Life Insurance Corporation of India, Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, in the Table below rule 7A, after item (ii), following item shall be inserted, namely :—

“(iii) Posted at places situated at a height of not less than 750 metres above mean sea level which are surrounded by and accessible only through hills with a height of 1000 metres and over above mean sea level.	At the rate of 5 percent. of the basic pay subject to a maximum of Rs. 150/- per month.”
---	--

[F. No. 2(22)/Ins. III/89(iii)]
C.S. RAO, Jt. Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of Class I Officers of the Life Insurance Corporation of India with effect from 1st August, 1987.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

FOOT NOTE :—The Principal rules were published vide Notification No. GSR 794(E), dated 11-10-1985 and subsequently amended by Notifications No. GSR-960 (E) dated 7-12-1987, GSR 493 (E) dated 22-4-1988, GSR 711(E) dated 25-7-1989, and GSR 816 (E) dated 1-10-1990.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1992

भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1992

सा.का.नि. 325 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1992 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1989 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 में,—

(क) नियम 7-क में मद (ii) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(iii) माध्य समुद्र तल से ऊपर मूल वेतन का 750 मीटर से अन्यून की ऊंचाई 5 प्रतिशत की दर पर स्थित ऐसे स्थानों पर तैनात से किन्तु अधिक से है जो ऐसी पहाड़ियों से घिरे हुए हैं अधिक 125 रुपए या उन तक उन पहाड़ियों के प्रति मास।”
माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, जिनकी ऊंचाई माध्य समुद्र तल से ऊपर 1000 मीटर हो।

(ख) नियम 10 में, उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(5) (क) निगम, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 के विनियम 51 के अधीन इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों के अधीन

नियम 7-क की मद (iii) के अनुसार 1 अप्रैल, 1988 को आरम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1989 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए मामूलापूर्ण राहत तथा इन नियमों के अधीन इस प्रकार संदेय पर्वतीय स्थान भत्ता की बकाया के संबंध में कार्यवाही हेतु विद्यमान विकास अधिकारियों के लिए पर्वतीय भत्ता के मंदाय का उपबंध कर सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इस उपनियम के प्रयोजन के लिए, “विद्यमान विकास अधिकारी” पद से ऐसे कर्मचारी अभिप्रेत हैं जो 1 अप्रैल, 1989 को विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

(ख) शंकाओं को दूर किए जाने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि 1 अप्रैल, 1991 को आरम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में संबंधित उक्त पर्वतीय भत्ता उस वित्तीय वर्ष में सुसंगत अंकन वर्ष में वार्षिक पारिश्रमिक का भाग होगा।”

[फा.सं. 2 (22)/बीसा-III/89 (IV)]

सी.एस. राव, संयुक्त सचिव

स्पष्टीकारक आपन

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम के विकास अधिकारियों की सेवा के निबंधनों और शर्तों के 1 अप्रैल, 1989 से पुनरीक्षण की मंजूरी दे दी है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना को भूतलसी प्रभाव देने से भारतीय जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाठ टिप्पण :—मुख्य नियम अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 1091 (अ) दिनांक 17 सितम्बर, 1986 के अन्तर्गत प्रकाशित हुआ था तत्पश्चात् अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 962 दिनांक 7 दिसम्बर, 1987, सा.का.नि. 871 (अ) दिनांक 22 अगस्त, 1988, सा.का.नि. 968 दिनांक 7 नवम्बर, 1989, और सा.का.नि. 825 दिनांक 9 अक्तूबर, 1990 द्वारा संशोधित किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 1992

Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of terms and conditions of service) Amendment Rules, 1992

G.S.R. 325(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following

rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) (Amendment) Rules, 1992.

(2) These rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1989.

2. In the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986,—

“(a) in rule 7A, after item (ii), the following item shall be inserted, namely :—

“(iii) Posted at places situated at a height of not less than 750 metres above mean sea level which are surrounded by and accessible only through hills with height of 1000 metres and over above mean sea level. At the rate of 5 per cent of the basic pay subject to a maximum of R. 125 per month.”;

(b) in rule 10, after sub-rule (4), the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(5) (a) the Corporation may, by instruction issued in this behalf under regulation 51 of the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, provided for payment of Hill Allowance to existing Development Officers in accordance with item (iii) of rule 7A for the period commencing on the 1st day of April, 1988 and ending on the 31st day of March, 1989 by way of equitable relief as also for treatment of arrears of Hill Allowance so payable under these rules.

EXPLANATION :—For the purpose of this sub-rule, the expression “existing Development Officers” means employees who are working as Development Officers on 1st April, 1989.

(b) For removal of doubt, it is clarified that the said Hill Allowance relating to the financial year commencing on the 1st day of April, 1991 shall form part of the annual remuneration in the relevant appraisal year in that financial year.”.

[F. No. 2(22) Ins.III/89(iv)]

C. S. RAO, Jt. Secy

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of Development Officers of the Life Insurance Corporation of India with effect from 1st April, 1989.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

FOOT NOTE :—The Principal rules were published under Notification No. GSR 1091(E) dated 17-9-1986 subsequently amended by Notification No. GSR 962, dated 7-12-1987, GSR 871(E), dated 22-8-1988, GSR 968 dated 7-11-1989 and GSR 825 dated 9-10-1990.

